विकास की असली तस्वीर- मुक्तिधाम जाना है तो घर से लाना पड़ता है टीन शेड

खास बातें

- शहर से महज 5 किलोमीटर दूर कराखेड़ी गांव में दशकों से बदहाल मुक्तिधाम की स्थिति
- बारिश में पन्नी और टीन शेड के नीचे होता है अंतिम संस्कार

नवभारत न्यूज
विदिशा 8 अगस्त, शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित कराखेड़ी गांव में विकास की असली तस्वीर उस समय सामने आती है, जब किसी ग्रामीण के घर में गमी हो जाती है. गांव में आज तक व्यवस्थित मुक्तिधाम का निर्माण नहीं हो सका है. ऐसे में किसी की मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीणों को घर से ही टीन शेड, पन्नी, लकड़ी और कंडे लेकर जाना पड़ता है.

बारिश के दिनों में परेशानी और बढ़ जाती है. अंतिम संस्कार से पहले ग्रामीण अस्थायी टीन शेड तैयार करते हैं, जिसके नीचे दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाती है. ग्रामीणों के अनुसार यह समस्या आज की नहीं, बल्कि कई दशकों से चली आ रही है. गांव में मुक्तिधाम के लिए सरकारी जमीन तो उपलब्ध है, लेकिन उक्त जमीन तक पहुंचने के लिए रास्ता नहीं है. रास्ते के अभाव में ग्रामीणों को गांव से करीब एक किलोमीटर दूर निजी जमीन पर अंतिम संस्कार करना पड़ता है. सरकारी जमीन होने के बावजूद रास्ते की समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों को मजबूरी में निजी जमीन का सहारा लेना पड़ रहा है. शनिवार को गांव के एक बुजुर्ग का निधन होने के बाद एक बार फिर गांव की बदहाल व्यवस्था सामने आई. बारिश के बीच अंतिम संस्कार करना था, लेकिन बारिश से बचाव की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं थी. ऐसे में ग्रामीणों ने पहले अस्थायी टीन शेड तैयार किया. इसके बाद पन्नी और टीन शेड के नीचे अंतिम संस्कार किया गया. ग्रामीणों का कहना है कि हर बार किसी की मौत होने पर इसी तरह की व्यवस्था करनी पड़ती है. घर से टीन शेड, पन्नी, लकड़ी और कंडे लेकर जाना अब गांव की मजबूरी बन गई है.

निजी जमीन पर होता है अंतिम संस्कार

मुक्तिधाम के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध होने के बावजूद रास्ता नहीं होने के कारण ग्रामीण निजी जमीन का उपयोग कर रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के लिए भी उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है. बारिश के दिनों में कीचड़ और पानी के बीच अंतिम संस्कार करना और भी मुश्किल हो जाता है. लंबे समय से ग्रामीण इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं.

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आया प्रशासन

मुक्तिधाम की बदहाल स्थिति और बारिश के बीच टीन शेड के नीचे अंतिम संस्कार किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया. अधिकारियों ने गांव का रुख किया और मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की. अधिकारियों ने ग्रामीणों से समस्या की जानकारी ली और मुक्तिधाम के लिए उपलब्ध सरकारी जमीन तथा रास्ते की स्थिति के संबंध में चर्चा की.बैठक के बाद मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए रास्ते की समस्या का समाधान निकालने पर सहमति बनी. ग्रामीणों और अधिकारियों के बीच हुई चर्चा में निजी जमीन से रास्ता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया. इससे सरकारी जमीन पर मुक्तिधाम तक पहुंचने का रास्ता तैयार होने की उम्मीद है.अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि वर्षों से चली आ रही यह समस्या जल्द दूर होगी और उन्हें अंतिम संस्कार के लिए घर से टीन शेड और पन्नी लेकर जाने की मजबूरी से छुटकारा मिलेगा.

सचिव और पटवारी बने रहे अंजान

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित ग्राम सचिव और पटवारी द्वारा इस ओर प्रभावी ध्यान नहीं दिया गया. सरकारी जमीन उपलब्ध होने के बावजूद रास्ते की व्यवस्था नहीं होने से समस्या जस की तस बनी रही. ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते रास्ते की व्यवस्था कर दी जाती तो उन्हें निजी जमीन पर अंतिम संस्कार करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता.

पत्थर फरसी पर किया जा रहा सीसी निर्माण, पिछड़े वार्डों की गलियां कीचड़ में

- कहीं सड़क पर लाखों का निर्माण, तो कहीं वर्षों से नाली और सड़क का इंतजार
- रात में अंधेरे के बीच निकलने को मजबूर रहवासी

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा 8 अगस्त, नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 6 की एक गली में पहले से पत्थर फरसी होने के बावजूद सीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है. दूसरी ओर नगर के कई पिछड़े वार्डों की गलियां वर्षों से कीचड़ और दलदल की समस्या से जूझ रही हैं. इन गलियों में न तो पत्थर फरसी है और न ही नालियों का निर्माण कराया गया है. बारिश के दिनों में हालात और खराब हो जाते हैं और रहवासियों को कीचड़ के बीच से होकर आवागमन करना पड़ रहा है.

वार्डवासियों का कहना है कि बरसात के दौरान गलियों में पानी और कीचड़ जमा होने से उनके घरों में सीलन आ रही है. इससे मकानों को भी नुकसान पहुंच रहा है. कई स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहता है.वार्ड क्रमांक 3 नई बस्ती के रहवासियों ने बताया कि जब यहां प्लाटिंग की गई थी, तब संबंधित लोगों द्वारा सड़क और नालियों का निर्माण कराने का आश्वासन दिया गया था. लंबे समय बाद भी यह आश्वासन पूरा नहीं हुआ. रहवासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा उनसे संपत्ति कर, सफाई कर और मकान टैक्स सहित विभिन्न करों की वसूली की जाती है, लेकिन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं.

रात में अंधेरा, जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा

गलियों में सड़क और नाली की समस्या के साथ प्रकाश व्यवस्था भी बड़ी समस्या बनी हुई है. रहवासियों के अनुसार कई स्थानों पर बिजली के पोल तक नहीं हैं, जिससे रात के समय पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है. कीचड़ भरी गलियों से गुजरते समय लोगों के कपड़े तक खराब हो जाते हैं. अंधेरे और गंदगी के कारण जहरीले जीव-जंतुओं के निकलने का खतरा भी बना रहता है.रहवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि जिन वार्डों में वर्षों से सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था की समस्या बनी हुई है, वहां प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य कराए जाएं. लोगों का कहना है कि जहां पहले से सड़क मौजूद है, वहां दोबारा निर्माण कराने के बजाय उन बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, जहां लोग बारिश के मौसम में नारकीय स्थिति में रहने को मजबूर हैं.

बालिकाओं के नाम पर रोपे 4740 पौधे

नवभारत न्यूज
विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत 'पौधरोपण बालिकाओं के नाम' अभियान के तहत शनिवार को जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. अभियान के दौरान जिलेभर में करीब 4740 पौधे रोपे गए.पौधरोपण का उद्देश्य बालिकाओं के सम्मान, उनके उज्ज्वल भविष्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा. प्रत्येक पौधे को एक बालिका के नाम समर्पित कर बेटी के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया गया.अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, परियोजना अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने सहभागिता की. उनकी सक्रिय भागीदारी से जिलेभर में अभियान को व्यापक रूप से संचालित किया गया.जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि 'पौधरोपण बालिकाओं के नाम' अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है. संबंधित आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा रोपे गए पौधों के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी. प्रत्येक पौधे को एक बालिका के सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध भविष्य के प्रतीक के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा.अभियान के माध्यम से जिले में पर्यावरण संरक्षण के साथ बालिका शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया गया.

विधानसभा वार कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आपसी समन्वय के साथ सक्रियता से कार्य करने पर जोर

नवभारत न्यूज
विदिशा. जिला कांग्रेस कार्यालय में जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के 12 ब्लॉक, 17 उपब्लॉक एवं छह नगर अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई.

बैठक में उपस्थित सभी ब्लॉक अध्यक्षों से ब्लॉक पदाधिकारियों, मंडलम पदाधिकारियों, मंडलम अध्यक्षों एवं पंचायत कमेटी अध्यक्षों की संगठनात्मक स्थिति की जानकारी ली गई. इसके साथ ही बूथ स्तर पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की भूमिका एवं उनकी सक्रियता को लेकर भी आवश्यक चर्चा की गई.बैठक के दौरान संगठन को अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जमीनी स्तर पर कांग्रेस की गतिविधियों को मजबूत करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया. जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने विधानसभा वार संगठन की स्थिति की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर

जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुशील शर्मा ने बताया कि बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय के साथ सक्रियता से कार्य करने पर जोर दिया. साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने को लेकर भी चर्चा हुई.बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी, जिला कांग्रेस संगठन महामंत्री सहित सभी ब्लॉक एवं उपब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

नागपंचमी पर विजय मंदिर खोलने की मांग

- विधायक मुकेश टंडन ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री और प्रदेश के संस्कृति मंत्री को सौंपा मांग पत्र

नवभारत न्यूज
विदिशा. ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के विजय मंदिर (बीजामंडल) को आगामी नागपंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के पूजन-अर्चन के लिए खोले जाने की मांग को लेकर विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को मांग पत्र सौंपा.

विधायक टंडन ने मांग पत्र में कहा कि विजय मंदिर (बीजामंडल) विदिशा की धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है. वर्तमान में यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में है. नागपंचमी के अवसर पर यहां पूजा-अर्चना की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है.उन्होंने बताया कि वर्तमान में विजय मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लगा रहता है. प्रत्येक वर्ष नागपंचमी पर श्रद्धालु मंदिर के अंदर जाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के लिए मंदिर खोलने की मांग करते हैं, लेकिन ,स्ढ के नियमों एवं अभिलेखीय स्थिति के कारण मंदिर का द्वार नहीं खोला जाता. इसके चलते श्रद्धालुओं को बाहर से ही पूजा-अर्चना करनी पड़ती है.

एएसआई की निगरानी में सीमित प्रवेश की मांग

विधायक टंडन ने कहा कि आस्था और पुरातात्विक संरक्षण, दोनों का सम्मान करते हुए नागपंचमी के दिन सीमित समय के लिए विजय मंदिर को श्रद्धालुओं के पूजन के लिए खोला जा सकता है. ,स्ढ की निगरानी में सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाए तथा जिला प्रशासन और ,स्ढ द्वारा सुरक्षा एवं स्मारक संरक्षण की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं.उन्होंने विजय मंदिर के ऐतिहासिक स्वरूप और वर्तमान पहचान को लेकर लंबे समय से चली आ रही चर्चा के स्थायी समाधान की भी मांग की. इसके लिए उपलब्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक अभिलेखों की विशेषज्ञ समिति से समीक्षा कराकर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया.विधायक ने मांग पत्र के माध्यम से आगामी नागपंचमी पर विजय मंदिर का ताला खोलकर श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना की अनुमति देने, ,स्ढ की निगरानी में सीमित संख्या में प्रवेश देने और स्मारक की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने की मांग की. साथ ही मंदिर से संबंधित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक अभिलेखों की विशेषज्ञ समिति से समीक्षा कराकर नागपंचमी पर पूजा की अनुमति के संबंध में स्थायी व्यवस्था बनाने का आग्रह किया.विधायक मुकेश टंडन ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन का संस्कृति विभाग इस विषय में संवेदनशीलता के साथ पहल करते हुए विदिशा की धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत, दोनों का सम्मान करने वाला सकारात्मक एवं स्थायी समाधान निकालेगा.

जिला स्तरीय एम .पी . पर्यटन क्विज में सेंट एसआरएस हायर सेकंडरी स्कूल का दबदबा

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा. जिला स्तरीय एम.पी. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में सेंट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है. लगातार तीसरी बार जिला स्तर पर विजेता बनने के साथ ही स्कूल की तीन सदस्यीय टीम का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हो गया है. इस बार प्रतियोगिता में विदिशा जिले की कुल 117 टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई. पहले चरण में लिखित परीक्षा हुई, जिसके आधार पर 117 टीमों में से छह टीमों का चयन मल्टीमीडिया राउंड के लिए किया गया. इसके बाद आयोजित रोमांचक मल्टीमीडिया राउंड में सेंट एस.आर.एस. की टीम ने 210 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया.प्रतियोगिता में सेंट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल की ओर से मनीष कुमार विश्वकर्मा कक्षा 11वीं, गौरी सिंह दांगी कक्षा 9वीं और राघवेंद्र शर्मा कक्षा 10वीं ने भाग लिया. तीनों विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान और सटीक उत्तरों के बल पर जिले की अन्य टीमों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया.इस उपलब्धि के तहत चयनित विद्यार्थियों को तीन दिन और दो रात का विशेष शैक्षणिक टूर भी प्रदान किया जाएगा. इस दौरान विद्यार्थी प्रदेश के प्रमुख पर्यटन, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक केंद्रों का भ्रमण करेंगे और वहां की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित होंगे.उल्लेखनीय है कि सेंट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल ने लगातार तीसरी बार जिला स्तरीय एम.पी. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है.

कार्यालय प्राचार्य, राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी)स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा (म .प्र .)

क्रमांक 2895/26 :: **निविदा प्रकाशन** :: दिनांक 08.08.2026

---00---

महाविद्यालय में स्मार्ट क्लास सामग्री कय करने हेतु निविदा क्रमांक **2026_HED_528185_1 Date 08-08-2026** एम.पी. टेंडर पोर्टल पर प्रकाशित की गई है। निविदा जमा करने की अंतिम **तिथि 28-08-2026** हैं। इच्छुक प्रदायकर्ता फर्म अपनी निविदाएं एम.पी. टेंडर पोर्टल पर प्रस्तुत कर भाग ले सकते हैं।

निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय प्राचार्य का होगा।

प्राचार्य
रा.वि.सि.शासकीय कन्या अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,विदिशा

सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित

नवभारत न्यूज
विदिशा. सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के लिए मैदान में मौजूद चारों प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं. चुनाव चिन्ह मिलने के बाद प्रत्याशियों ने मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं.

मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट संतोष शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के चारों प्रत्याशियों को अलग-अलग चुनाव चिन्ह प्रदान किए गए हैं. इनमें सरदार रघुवंशी को शंख, मिथिलेश दांगी को वीणा, रामराज दांगी को गरुड़ घंटी तथा भूपेंद्र रघुवंशी को बांसुरी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है.चुनाव चिन्ह आवंटित होने के बाद अब सभी प्रत्याशी अपने-अपने चुनाव चिन्ह के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचकर समर्थन और वोट की अपील कर सकेंगे. चुनाव को लेकर समिति से जुड़े सदस्यों में भी उत्साह बना हुआ है.सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के लिए 16 अगस्त को मतदान कराया जाएगा. मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसी दिन मतगणना कर अध्यक्ष पद के विजेता प्रत्याशी के नाम की घोषणा की जाएगी.

परेशानी — दो और चार पहिया वाहनों को नहीं मिल पा रही रफ्तार, हर समय बना रहता है हादसे का डर

शहर की सड़क ही नहीं, हाईवे पर भी मवेशियों का जमावड़ा

नवभारत न्यूज
विदिशा. शहर की तमाम सड़कों और गलियों में जहां आवारा मवेशियों का जमावड़ा आम हो गया है, वहीं अब इनकी मौजूदगी विदिशा-सागर हाईवे पर भी परेशानी का कारण बन रही है. मिर्जापुर और उसके आसपास के हाईवे क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवारा मवेशी सड़क पर बैठे और घूमते नजर आ रहे हैं. इसके कारण हाईवे से गुजरने वाले दो और चार पहिया वाहनों के साथ ही भारी वाहनों को भी रफ्तार कम करके निकलना पड़ रहा है.

हाईवे पर सड़क के बीच या किनारे बैठे मवेशियों के अचानक वाहन के सामने आ जाने से हादसे का खतरा बना रहता है. विशेषकर रात के समय वाहन चालकों के लिए स्थिति और अधिक परेशानी वाली हो जाती है. वाहन चालक अचानक मवेशियों को देखकर ब्रेक लगाने को मजबूर होते हैं, जिससे पीछे चल रहे वाहनों के टकराने का खतरा भी बना रहता है.

कमिश्नर के निर्देश के बाद भी नहीं बदली स्थिति

पिछले दिनों भोपाल संभाग के कमिश्नर द्वारा विदिशा का दौरा किया गया था. इस दौरान उन्होंने सड़कों पर आवारा मवेशी नजर नहीं आने और उन्हें गौशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे. इसके बावजूद शहर के साथ अब हाईवे पर भी मवेशियों का जमावड़ा दिखाई दे रहा है.स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि हाईवे पर लगातार बढ़ रही मवेशियों की संख्या को देखते हुए संबंधित विभाग को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए. मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ हाईवे को आवारा मवेशियों से मुक्त किया जाना जरूरी है, ताकि वाहन चालकों को परेशानी न हो और सड़क हादसों की आशंका को कम किया जा सके.